हृदय और धड़कन

वर्ष-2, अंक-16, अप्रैल 20, 2011

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

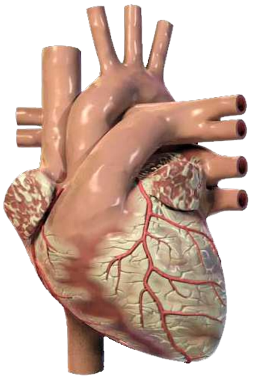

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अनिश चंदाराणा
(M) +91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता
(M) +91-99250 45780
डॉ. गुणवंत पटेल
(M) +91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख
(M) +91-98250 66664
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह
(M) +91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी
(M) +91-98250 30111
डॉ. जोयल शाह
(M) +91-98253 19645
डॉ. रवि सिंघवी
(M) +91-98251 43975

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह
(M) +91-98255 75933
डॉ. धवल नायक
(M) +91-90991 11133

कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार
(M) +91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया
(M) +91-95863 75818

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजी

डॉ. कश्यप शेठ
(M) +91-99246 12288
डॉ. मिलन चग
(M) +91-98240 22107

निओनेटल कार्डियक और क्रिटिकल कॅयर विशेषज्ञ

डॉ. अमित चितलीया
(M) +91-90999 87400

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक
(M) +91-98250 82666

अद्रश्य कातिल : डायबिटीज़ मेलाइटिस

यह एक रासायणिक प्रक्रिया से सम्बन्धित रोग है । जिसमें रोगी के कोष ग्लुकोज़ (शक्कर, गुड़ अथवा अन्य मीठे पदार्थ) का उचित उपयोग नही कर सकते है ।

शरीर में ग्लुकोज़ का उचित उपयोग करके उसमें से उर्जा प्राप्ति के लिए इन्स्युलिन नामक तत्त्व आवश्यक होता है । जब डायबिटीज़ मेलाइटिस हो तब-

- शरीर में इन्स्युलिन की कमी अथवा अभाव होता है ।
- शरीर के कोषों पर इन्स्युलिन का असर कम होता है ।

भुखे पेट लोहीमें ग्लुकोझका प्रमाण	१००	से कम	अच्छा
	१०१ -	१२५	ग्लुकोझ को काबुमें लेने की शक्ति कम होती है
	१२६	से ज्यादा	डायबिटीज़ मेलाइटस
दो घंटे के बाद (७५ ग्राम ग्लुकोझका खोराक लेकर)	१४०	से कम	अच्छा
	१४० -	२००	ग्लुकोझ को काबुमें लेने की शक्ति कम होती है
	२००	से ज्यादा	डायबिटीज़ मेलाइटस

डायबिटीज़ किसे कहते है ?

डायबिटीज़ वाले रोगी पर दिल का दौरा अचानक व किसी भी दर्द के अनुभव किये बिना भी पड सकता है । इसके अलावा डायबिटीज़ से शरीर को इस हद तक नुकसान पहुंच सकता है कि इसे हृदयरोग के लिए एक अत्यन्त खतरनाक कारण बताया जाता है । डायबिटीज़ के समस्त रोगियों को उनके शरीर में किसी भी असाधारण लक्षण की जांच के लिए एक बार हृदय का कार्डियोग्राम और ईको-कार्डियोग्राम करवा लेना चाहिए ।

शेष... पेज-३

डायबिटीज़ किसे होता है ?

कॅयर इन्स्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेझ अहमदाबाद शहर के हृदय पटल पर 150 शय्याओ वाला एक अद्वित्य, अति आधुनिक, बहु विशिष्ट, अस्पताल है ।

सीम्स विभाग

- कार्डियोलोजी
- क्रिटीकल केयर (गंभीर मरीजो के लिए सघन्य उपचार)
- जनरल सर्जरी
- निओनेटोलोजी (नवजातशिशु उपचार) और पिडियाट्रिक्स (बच्चोकी बीमारीया)
- नेफ्रोलोजी (किडनीकी बिमारीयों)
- युरोलोजी (कीडनी और प्रोस्टेटकी बिमारीयाँ
- पेथोलोजी और माइक्रोबायोलोजी
- डेन्टिस्ट्री
- ओप्थेमोलोजी
- पल्मोनोलोजी (फेफडोकी बिमारीयाँ)
- फिझियोथेरेपी और रिहेबिलीटेशन
- अेनेस्थेसियोलोजी
- पिडियाट्रिक सर्जरी
- कोस्मेटोलोजी
- स्लीप मेडिसिन
- ट्रोमा का ईलाज
- हिमेटो ओन्कोलोजी (केन्सर और रक्तकी बिमारीयाँ)
- इन्टरवेन्शनल पेन मेनेजमेन्ट
- चर्म रोग और एइड्स संबंधित बिमारीयां
- फेमीली मेडिसीन
- कार्डियो-थोरेसिक सर्जरी
- इन्टरनल मेडिसीन
- गायनेकोलोजी और ओब्स्टेट्रीक्स
- न्युरोलोजी (मस्तिष्ककी बिमारीयाँ)
- न्युरोसर्जरी
- ओर्थोपेडिक्स और जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जरी
- रेडियोलोजी
- ई.एन.टी. और ओटोलेरिन्गोलोजी
- पेट, आंते और कलेजेकी बिमारीयाँ
- गेस्ट्रीक और हीपेटोबीलीयरी सर्जरी
- हेल्थ चेकअप
- प्रिवेन्टीव हेल्थ केयर
- लेप्रोस्कोपिक और विडियो एन्डोस्कोपीक सर्जरी
- ओबेसीटी मेनेजमेन्ट (स्थूलताका उपचार)
- आर्थरोस्कोपी और स्पोर्टस मेडिसीन
- स्पाइन सर्जरी
- वास्क्युलर सर्जरी
- केन्सर और केन्सर सर्जरी
- इन्टरवेन्शनल रेडियोलोजी और इमेजिंग
- फीटल मेडिसीन

पेज-१ का शेष...

डायबिटीज़ मेलाइटिस किसको हो सकती है ?

अनेक संशोधनों के पश्चात भी ये बात स्पष्ट नहीं हो पाई है कि कुछ लोगों को डायबिटीज़ होती है और कुछ को नहीं । परन्तु यह स्पष्ट है कि यह रोग निम्न लक्षणों वाले लोगों में देखने को मिलता है ।

- जिनके नजदीकी रिश्तेदारों को डायबिटीज़ हो (hereditary) ।
- जिनका वजन अधिक हो ।
- जिनको कामकाज में कोई शारीरिक श्रम न करना पड़ता हो (sedentary) ।
- जिनकी जिन्दी तनावपूर्ण हो ।

उपरोक्त लक्षणों वाले व्यक्तिओं को डायबिटीज़ की संभावना अधिक रहती है ।

डायबिटीज़ किस प्रकार मारती है ?

डायबिटीज़ व उच्च रक्तचाप (High blood pressure) शरीर के महत्त्वपूर्ण अंग जैसे मस्तिष्क, हृदय, आँख और गुर्दे इत्यादि को धीरे-धीरे किन्तु अत्यधिक नुकसान पहुंचाती है, इसे महत्वपूर्ण तथा अंतिम अंगो की चोट (End Organ Damage) कहा जाता है ।

आपको स्वयं को हुए नुकसान का पता ही नहीं चलता ?

अधिकतर लोगों को महत्वपूर्ण तथा अंतिम अवयवों को नुकसान होने के बाद ही पता चलता है कि उनके अंगो को नुकसान पहुंचा है और इसका कारण उपरोक्त दोनों कातिल बीमारियों में से कोई एक अथवा दोनों हो सकती है । इन परिस्थितियों में डायबिटीज़ व उच्च रक्तचाप का इलाज तो होना ही चाहिए, परन्तु इसकी जांच तथा इलाज अगर पहले ही हो गए होते तो महत्वपूर्ण तथा अंतिम अवयवों को नुकसान नहीं होता ।

महत्वपूर्ण तथा अंतिम अवयवों को नुकसान ना हो इसलिये भी डायबिटीज़ व उच्च रक्तचाप का निदान व इलाज जल्दी से जल्दी होना चाहिए ।

> वृध्ध होने के बाद भी हंसना बंद मत कीजिए, क्योंकि अगर हंसना बंद किया तो वृद्धावस्था वास्तव में आ जाएगी ।

यह दोनो शैतान हाथ में हाथ डालकर एक साथ रोगी पर हमला करते हैं और उसका जीवन कम कर देते हैं । डायबिटीज़ समस्त अंगो पर असर करती है, परन्तु यह हृदय पर खतरनाक रुप से ऐसा विपरीत असर करती है कि समस्त विश्व के हृदयरोग विशेषज्ञ डायबिटीज़ को हृदयरोग का एक अत्यंत खतरनाक कारण मानते है ।

डायबिटीज़ के रोगियों में हृदय रोग के लक्षण

डायबिटीज़ के रोगियों को एक अतिरिक्त समस्या का सामना करना पड़ता है, जिसमें सायलेन्ट एन्जायना अथवा हृदयरोग का हमला कुछ लक्षणों के साथ अथवा बिना किसी लक्षण के होता है । रोगी व उसके रिश्तेदारों को भी पता नहीं चलता है कि छाती में दर्द के लक्षण भले ही सामान्य हों परन्तु दिल का दौरा बड़ा और जानलेवा हो सकता है । इसलिए डायबिटीज़ के रोगियों की छाती में सामान्य दर्द की भी सम्पूर्ण जांच करवानी जरुरी है तथा वर्ष में एक बार हृदय की सामान्य जांच (जैसे इ.सी.जी., इको कार्डियोग्राम इत्यादि) करवानी जरुरी है ।

> एक व्यापारी को उसके बायपास के ऑपरेशन का एनेस्थेशिया का बिल बहुत अधिक लगा इसलिए वह एन्स्थेटिस्ट से मिलने गया । ‘डॉक्टर सिर्फ शीशी सुंघाने के २०,००० रुपये होते होंगे ?’
>
> ऐसा है कि, एनेस्थेशिया के डॉक्टर ने उसे समझाया, ‘हमारे पेकेज के दो भाग होते है, शीशी सुंघाकर बेहोश करने के ९,००० रुपये और बेहोशी में से वापस होश में लाने के ११००० रुपये । आपने पहले कहा होता तो मैने आपको खाली बेहोश किया होता, वैसे सब रोगी पूरा पेकेज लेना पसंद करते है ।’

निदान

डायबिटीज़ का निदान रक्त की शर्करा के प्रमाण की जांच से किया जाता है । रक्त में शर्करा का प्रमाण दो या अधिक बार ज्यादा आए तो डायबिटीज़ का इलाज शुरु कर देना चाहिए ।

इलाज

यदि आपका वजन अधिक है तो उसको कम करें, भोजन में मीठी चीजों (शक्कर, मिठाई) का सेवन कम करें, शारीरिक व्यायाम करें पैदल घुमना शुरु करें । डायबिटीज़ के इलाज का प्रथम लक्ष्य रक्त में शर्करा की मात्रा को निर्धारित सीमा तक लाना है । धऊशऱआ लक्ष्य महत्वपूर्ण अवयवों को डायबिटीज़ से होने वाली क्षति से बचाना है । महत्वपूर्ण अवयव जैसे-हृदय गुर्दे (त्त्डुदद्व्न्ध्र), आँखे, स्नायु, इत्यादि को कोई क्षति होने से बचाना है । सबसे पहले रक्त में शर्करा को निर्धारित सीमा में रखना, इन्स्युलिन के इन्जेकशन व परहेज के इलाज के साथ महत्वपूर्ण अंगो को क्षति से बचाने के लिए दवाओं का उपयोग भी जरुरी है ।

इन्स्युलिन की सिरिंज

मैं स्वयं की देखभाल किस प्रकार कर सकता हूं ?

डॉक्टर द्वारा बताए गए इलाज को योजनाबद्ध तरीके से अनुसरण करें, इसके अलावा,

- भोजन में चरबी, कोलेस्ट्रोल की मात्रा कम करें ।
- तनाव दूर करने के लिए प्राणायम, तथा शवासन सीखें, और करे ।
- आपके डॉक्टर की सलाह के अनुसार नियमित कसरत करें ।

नियमित रुप से शर्करा (sugar) की जांच करवाते रहे । भूखे पेट की स्थिति में रक्त में शर्करा की मात्रा ११० मि. ग्रा. से कम तथा भोजन के दो घंटे के बाद रक्त में शर्करा की मात्रा १४० मि. ग्रा. से कम रखनी जरुरी है ।

वक्त पर उचित सारवार करने से फालिज भी अच्छा हो जाता है ।

मीनाबहन अपने पति के साथ

42 वर्षीय मीनाबहन को 2007 की साल से हृदय के वाल्व की बीमारी थी । उनके हृदय की धडकने अनियमित थी । डॉक्टरने उन्हें खून पतला करने की और अन्य कुछेक दवाइयां लेने की सलाह दी थी, किन्तु पिछले कुछेक दिनों से उन्होनें दवाइयां लेनी बंध कर दी थी । वह जब डॉक्टर के पास गये तो डॉक्टरने उन को नाराज हो कर सिर्फ इतना कहा कि और कोई नहीं तो कम से कम एक दवा तो लीजिए, जिससे आप का खून पतला हो । उन्होंने फिर से दवा लेनी शुरु की किन्तु दवा अपनी असर दिखाये इससे पहले ही उनके हृदय में खून का गड्ढा जम गया और वहां से अलग हो कर मस्तिष्क की नसों में पहुंच गया । इससे मीनाबहन के शरीर पर फालिज की असर हो गइ । उन का दायीं और का शरीर कमजोर हो गया, सुन्न होने लगा और बातचीत करने में भी तकलीफ पडने लगी । डॉक्टर के कहने से उन्हें फौरन एम्ब्युलन्स बुलाकर रात के 10.00 बजे सीम्स अस्पताल के इमरजन्सी वोर्डमें दाखिल किया गया । कार्डियोलोजिस्ट, न्यूरोलोजिस्ट और इन्टेन्सीवीस्टने तुरंत ही उनका चेकअप कर के सारवार शुरु कर दी । उन के मस्तिष्क का सीटी स्केन किया गया । अच्छी बात यह थी कि हैमरेज नहीं हुआ था । फालिज की ऐसी स्थितिमें एक आधुनिक इन्जेक्शन (tPA) द्वारा सारवार दी जाती है । यह इन्जेक्शन खून को पतला कर के फालिज को अच्छा कर देता है, किन्तु यह फालिज के हुमले के शुरुआत के 3 से 4.30 घंटे में ही असर करता है । मीनाबहन के स्वजन इस बीमारी की गंभीरता को समझ शके । इन्जेक्शन देने से यह जानलेवा अथवा आजीवन विकलांग कर देनेवाली इस बीमारी को 80 प्रतिशत से ज्यादा किस्सों में दूर किया जा सकता है यह वास्तविकता वह समझ पाये थे ।

यह इन्जेक्शन (tPA) एक घंटे से ज्यादा समय तक दिया गया । (राते के 10.30 से 11.30 तक) । तत्पश्चात उन्हें आईसीयू में सारवार दी गई । 3 से 4 घंटे में तो मीनाबहन एकदम स्वस्थ हो गये । उनका जो शारीरिक अंग सुन्न हो गया था, वह फिर से काम करने लगा । बातचीत नहीं कर पा रहे थे, वह अब बातचीत भी करने लगे । मीनाबहन और उनके परिजनों के लिए तो यह एक अनोखा चमत्कार था ।

संपूर्ण भारत के गिनेचुने अस्पतालों में ही प्राप्त फालिज की यह अद्यतन सारवार अहमदाबाद के सीम्स अस्पताल में रात्रि के समय भी तुरंत और तात्कालिक मिल गयी । इस के लिए मीनाबहन और उन के परिजनों ने सीम्स अस्पताल का हार्दिक शुक्रिया अदा किया ।

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध कार्डियाक सेवाएं

नोन इन्वेझिव कार्डियोलॉजी सेवाएं

- कम्प्यूटराइज्ड ईसीजी
- 2-डी और 3-डी इको व डॉप्लर
- 2-डी और 3-डी ट्रान्सइसोफेजिअल इकोकार्डियोग्राफी (TEE)
- ट्रेड मील टेस्ट (TMT)
- स्ट्रेस इकोकार्डीयोग्राफी
- होल्टर मोनिटर
- टिल्ट टेबुल टेस्ट
- पेथोलोजी
- पिडियाट्रिक कार्डियक क्लिनिक
- एरेथेमिया क्लिनिक
- हार्ट फेल्यॉर क्लिनिक
- पेसमेकर क्लिनिक
- लिपिड क्लिनिक
- ओबेसिटी क्लिनिक
- डायॅट क्लिनिक
- कार्डियक रिहेब
- नोन इन्वेझीव सिटी ऐन्जियोग्राफी

इन्टरवेन्शनल कार्डियोलॉजी सेवाएं

- कोरोनरी ऐन्जियोग्राफी
- कोरोनरी एन्जियोप्लास्टी
- पेरीफेरल व केरोटिड एन्जियोग्राफी
- इपी स्टडी व रेडियो फ्रिक्वेन्सी एब्लेशन
- पेसमेकर व इम्प्लान्टेबल डिफीब्रीलेटर
- डिवाइस थेरापी और हार्ट फेल्योर
- बलून वाल्व्युलोप्लास्टी
- जन्मजात हृदयकी बिमारिओ के लिए बिना ऑपरेशनका ईलाज

कार्डियक सर्जरी

- बायपास सर्जरी
- दुबले और चौडे हृदय के लिये विशेष सर्जरी (SVR)
- वाल्व रिपेयर व रिप्लेसमेन्ट सर्जरी
- छोटे छेदवाली ओपन हार्ट सर्जरी
- पिडियाट्रिक कार्डियक सर्जरी
- थोरासिक सर्जरी
- दिमाग और हाथ-पैरकी धमनीओकी सर्जरी

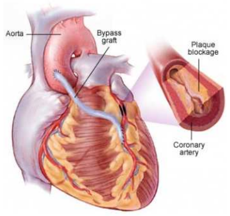

सीम्स अस्पताल में उपलब्ध बाल हृदयरोग विभाग (Pediatric Cardiology Department) सेवाएं

बाल हृदयरोगकी जांचकी सेवाएं

- बाल हृदयरोगके विशेषज्ञ डॉक्टर के साथ कन्सलटेशन (हररोज)
- नवजात शिशु और बालक के लिये आइसीयु (हाइ फ्रिकवन्सी वेन्टीलेटर के साथे)
- बच्चोकी इकोकार्डियोग्राफी की जांच के लिये उच्चत्तम कक्षा के मशीन (**Live 3D Echo**)
- बच्चोमें ट्रान्स इसोफेजिअल इकोकार्डियाग्राफी (**TEE**) की सुविधा
- गर्भस्थ शिशुके हृदय संबंधती जांच और उपचार (फीटल इको)
- बच्चोमें हाइ ब्लड प्रेशर / धडकनकी अनियमितता / हार्ट फेल्योरके ईलाज के लिए क्लिनिक

बाल हृदयरोग इन्टरवेन्शनल प्रोग्राम

- जन्मजात बिमारी के लिए ऑपरेशन के बिना (एन्जियोप्लास्टी और **Device Closure** ईलाजकी सुविधाए)
- बच्चो के लिए केथलेब और आइसीयुकी सुविधाएं
- बच्चो की इलेक्ट्रोफीजियोलोजी जांच, रेडीयो फ्रिक्वेन्सी एब्लेशन और पेसमेकर की सुविधा

बाल हृदयरोग सर्जरी विभाग

- बच्चे और नवजात शिशु की हृदयकी सभी सर्जरी के लिए विशेषज्ञ टीम
- ऑपरेशन के बाद उच्चत्तम स्तर का आइसीयु ईलाज
- अत्याधुनिक जीवनरक्षक प्रणालीसे उपचारकी व्यवस्था

सीम्स ग्रीन कार्ड

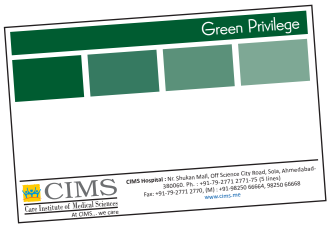

सीम्स अस्पताल यह घोषणा करते हुए गर्व महसुस कर रहा है की वह उसके स्नेही एवं मरीजो के लिये विशेष 'सीम्स ग्रीन कार्ड' मुफ्तमें।* दे रहा है ।

'सीम्स ग्रीन कार्ड' मेम्बरशीप में आपको कुछ विशेष लाभ के साथ सीम्स अस्पतालमें विशेष सेवाए उपलब्ध होगी ।

'सीम्स ग्रीन कार्ड' जिसके पास होगा उसको फार्मसी, पेथोलोजी, रेडियोलोजी और हेल्थ चेक-अप में डिस्काउन्ट* मिलेगा । इसके अलावा आपको सीपीआर और मेडिटेशन एवं प्राणायम के क्लास में भी मुफ्त रजिस्ट्रेशन होगा

*शर्ते लागु
भविष्यमें सीम्स ग्रीन कार्ड रद करनेका अधिकार सीम्स अस्पताल को रहेगा ।

सीम्स ग्रीन कार्ड की ज्यादा जानकारी के लिये अपने मोबाइल से **"GC"** टाइप करके +91-90990 68959 / +91-90990 66538 नंबर पर भेज दे ।

*शर्ते लागु

- 'सीम्स ग्रीन कार्ड' मुफ्त लेने के लिये यह कटिंग साथमें लाना आवश्यक है ।
- जीस व्यक्तिको ग्रीन कार्ड चाहिए उस व्यक्ति को खुद सीम्स अस्पताल पर आके अपना ग्रीन कार्ड लेना होगा ।
- एक कटिंग के साथ सिर्फ एक ही कार्ड दीया जायेगा ।
- यह ओफर सिर्फ जुन 30, 2011 तक ही मान्य रहेगी ।

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
मोबाईल : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668

सीम्स इइसीपी (एन्हेन्स्ड एक्सटर्नल काउन्टर पल्सेशन थेरापी)

न तो कोइ सर्जरी, न कोइ इन्टरवेन्शन और न तो कोइ दर्द

हृदयरोग की सारवार के लिये एकमात्र नोन-इन्वेझीव तकनीक*

*ऐसे मरीज के लिये की जिनको हृदय की धमनी (आर्टरी) में ब्लोक है और जो एन्जियोप्लास्टी या बायपास नही करवा सकते या तो चाहते नही और ऐसे मरीज के जीनको पहले बायपास सर्जरी हो गई हो और अभी उसको सीने में दर्द होता है ।

- इइसीपी (एन्हेन्स्ड एक्सटर्नल काउन्टर पल्सेशन थेरापी) यह नोन-इन्वेझीव उपचार है कि जो एन्जायना के लक्षणो को कम करता है ।
- इइसीपीका चिकित्सक और नैदानिक परिक्षण हुआ है की यह बलुन एन्जियोप्लास्टी (पीटीसीए) और बायपास सर्जरी (सीएबीजी) का बिनहानिकारक आउट पेशेंट विकल्प है ।

इइसीपी थेरापी के लाभ

- कोरोनरी आर्टरी स्टेनोसीस के लिये नोन-इन्वेझीव उपचार
- मरीज को अस्पतालमें भर्ती होने की जरुरत नही
- सुरक्षित, दर्द रहित, कोइ भी साइड इफेक्ट के बिना आसानी से हो सकता है
- लागत प्रभावी

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-60.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
मोबाईल : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
वेब : www.cims.me

आपकी जिंदगी के सबसे प्यारे व्यक्ति की रक्षा करे

सीम्स अस्पताल की मुलाकात करे

हेल्थ-चेकअप डिस्काउन्ट कुपन्स

जुन 30, 2011 तक मान्य

सीम्स सुपर एडवान्स्ड हेल्थ चेक-अप
सिर्फ ₹ 12000/-* में

(सामान्य किंमत ₹ 15000/-,
42 आइटम के चेक-अप जीसमें
शामील है एडवान्स्ड सीटी स्केन
केल्शीयम स्कोरींग, इको, टीएमटी,
छाती का एक्स-रे,
केरोटीड डॉप्लर, और अन्य टेस्ट)

डिस्काउन्ट के लिये यह
कटींग लाना आवश्यक है

जुन 30, 2011 तक मान्य

सीम्स कोम्प्रीहेन्सीव हेल्थ चेक-अप
सिर्फ ₹ 4000/- में

(सामान्य किंमत ₹ 5000/-,
20 आइटम के चेक-अप जीसमें
शामील है कार्डियो डायाबिटीक,
इको, टीएमटी, छाती का एक्स-रे
और अन्य टेस्ट)

डिस्काउन्ट के लिये यह
कटींग लाना आवश्यक है

जुन 30, 2011 तक मान्य

सीम्स वुमन्स वेलनेश हेल्थ चेक-अप
सिर्फ ₹ 1500/- में

(सामान्य किंमत ₹ 2500/-,
17 आइटम के चेक-अप जीसमें
शामील है छाती का एक्स-रे,
मेमोग्राफी, पेप स्मीयर, अल्ट्रा
साउन्ट अेब्डोमेन.. और अन्य टेस्ट)

डिस्काउन्ट के लिये यह
कटींग लाना आवश्यक है

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Permitted to post at MBC, Navrangpura, Ahmedabad-380009 on the 27th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2010-2012 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2012

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

CIMS
Care Institute of Medical Sciences

सीम्स क्रिटीकल कॅयर - 24 x 7 सेवा उपलब्ध

आपकी किसी भी इमरजेन्सी में हम आपके साथ है

कार्डियक, न्यूरो, गेस्ट्रो, यूरोलोजीकल, पोलीट्रोमा रीनल फेलियर, सेप्सिस जैसी इमरजेन्सीमें तुरंत इलाज की सुविधा

- क्या आपको ज़हरी मेलेरिया, डेन्यु, पीलीया, टीबी के अन्य विशाणुजन्य बीमारी हुई है ?
- मिरगी की बीमारी, लकवा, अकस्मात में चोट हुई है ?
- गंभीर बीमारी / केन्सर है की जिसमे अधिक दवाईया, डायालीसीस और वेन्टीलेटर जैसी सारवार की जरुरत है ?
- गंभीर रोग की वजह से एक से ज्यादा शरीर के अंग निष्क्रिय हो गये हो ?
- फेफडों की, पेट की, खुन की बीमारीयां, जिसमें एन्डोस्कोपी व अन्य विशेषज्ञों की सामूहिक चिकित्सीय परामर्श की जरुरत है ?

Green Hospital

CIMS
Care Institute of Medical Sciences
At CIMS... we care

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008
मोबाईल : +91-90990 66540, 98250 66664, 98250 66668
फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770
एपोइन्टमेन्ट के लिये ईमेल : opd.rec@cims.me ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षीने सीम्स अस्पताल की और से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।